

Aaj Ka Panchang 04 August का पंचांग: 04 August 2025 ka Panchang, शुभ मुहूर्त और राहुकाल का समय



अगस्त का पंचांग

एक माह में तीस तथियां होती हैं और ये तथियां दो पक्षों में वभाजति होती हैं। शुक्ल पक्ष की आखिरी तथि को पूरणमि और कृष्ण पक्ष की अंतमि तथि अमावस्या कहलाती है। तथि के नाम - प्रतपिदा, द्वितीया, तृतीया, चतुर्थी, पंचमी, षष्ठी, सप्तमी, अष्टमी, नवमी, दशमी, एकादशी, द्वादशी, त्रयोदशी, चतुर्दशी, अमावस्या/पूरणमि।

04 अगस्त 2025 का दैनिक पंचांग, Aaj Ka Panchang

हद्वि पंचांग को वैदिक पंचांग के नाम से जाना जाता है। पंचांग के माध्यम से समय एवं काल की सटीक गणना की जाती है। पंचांग मुख्य रूप से पांच अंगों से मलिकर बना होता है। ये पांच अंग तथि, नक्षत्र, वार, योग और करण है। यहां हम दैनिक पंचांग में आपको शुभ मुहूर्त, राहुकाल, सूर्योदय और सूर्यास्त का समय, तथि, करण, नक्षत्र, सूर्य और चंद्र ग्रह की स्थिति, हद्वि मास एवं पक्ष आदि की जानकारी देते हैं। आइए जानते हैं आज का शुभ मुहूर्त और राहुकाल का समय।

पंचांग के पांच अंग तथि

हद्वि काल गणना (हद्वि कैलेंडर) के अनुसार 'सूर्य रेखांक' से 'चन्द्र रेखांक' को बारह अंश ऊपर जाने के लिए जो समय लगता है। वह तथि कहलाती है। एक माह में 30 तथियां होती हैं। और ये तथियां 2 पक्षों में वभाजति होती हैं। शुक्ल पक्ष की आखिरी तथि को पूरणमि और कृष्ण पक्ष की अंतमि तथि अमावस्या कहलाती है। तथि के नाम - प्रतपिदा (Pratipada), द्वितीया (Dwitiya), तृतीया (Tritiya), चतुर्थी (Chaturthi), पंचमी (Panchami), षष्ठी (Shashthi), सप्तमी (Saptami), अष्टमी (Ashtami), नवमी (Navami), दशमी (Dashami), एकादशी (Ekadashi), द्वादशी (Dwadashi), त्रयोदशी (Trayodashi), चतुर्दशी (Chaturdashi), अमावस्या/पूरणमि (Amavasya / Poornima)।

नक्षत्र

आकाश मंडल में एक तारा समूह को कहा जाता है। 27 नक्षत्र जसिमे होते हैं। और इन 27 नक्षत्रों का स्वामतिव नौ ग्रहों को

प्राप्त है। 27 नक्षत्रों के नाम – कृतिका नक्षत्र, रोहिणी नक्षत्र, मृगशिरा नक्षत्र, अश्विनी नक्षत्र, भरणी नक्षत्र, आर्द्रा नक्षत्र, पुनर्वसु नक्षत्र, पुष्य नक्षत्र, आश्लेषा नक्षत्र, हस्त नक्षत्र, चित्रा नक्षत्र, स्वाती नक्षत्र, विशाखा नक्षत्र, मघा नक्षत्र, पूर्वाफाल्गुनी नक्षत्र, उत्तराफाल्गुनी नक्षत्र, पूर्वाभाद्रपद नक्षत्र, उत्तराभाद्रपद नक्षत्र, रेवती नक्षत्र, अनुराधा नक्षत्र, ज्येष्ठा नक्षत्र, श्रवण नक्षत्र, घनषिठा नक्षत्र, शतभिषा नक्षत्र, मूल नक्षत्र, पूर्वाषाढा नक्षत्र, उत्तराषाढा नक्षत्र।

वार

वार से मतलब दिन से है। 1 एक सप्ताह सात वार / दिन होते हैं। ग्रहों के नाम से ये सात वार / दिन रखे गए हैं – सोमवार, मंगलवार, बुधवार, गुरुवार, शुक्रवार, शनिवार और रविवार।

योग

योग भी नक्षत्र की तरह ही 27 प्रकार के होते हैं। योग सूर्य-चंद्र (Sun-Moon) की विशेष दूरियों की स्थितियों को कहा जाता है। दूरियों के आधार पर बनने वाले 27 योगों के नाम – शोभन, अतगिण्ड, सुकर्मा, धृति, वषिकुम्भ, प्रीति, व्याघात, हर्षण, वज्र, आयुष्मान, सौभाग्य, शूल, गण्ड, वृद्धि, ध्रुव, सद्धि, शुभ, शुक्ल, ब्रह्म, इन्द्र और वैधृति, व्यातीपात, वरीयान, परधि, शवि, सद्धि, साध्य।

करण

दो करण 1 तिथि में होते हैं। कुल मिलाकर 11 करण होते हैं। जिनके नाम कुछ इस प्रकार हैं – गर, वणजि, चतुष्पाद, बालव, कौलव, तैत्ति, नाग और कसितुघ्न, बव, वषिटि, शकुनि। करण को भद्रा वषिटि कहते हैं। व शुभ कार्य करना भद्रा में वर्जित माने गए हैं।

(आज का पंचांग (Aaj Ka Panchang In Hindi), दैनिक पंचांग, Today Panchang, Panchang Today In Hindi, Panchang For Tomorrow, Kal Ka Panchang, Hindi Panchang)

As the top Jyotish in India, Pandit Acharya V Shastri ji (**Best Astrologer in Delhi NCR**) strongly recommends following these tips to bring the power of the moon in your favor again. Book your appointment or get assistance on call from the leading astrologer today for a more personalized analysis of your planets.

[India's Famous Astrologers, Tarot Readers, Numerologists on a Single Platform. Call Us Now. Call Certified Astrologers instantly on Dial199 - India's #1 Talk to Astrologer Platform. Expert Live Astrologers. 100% Genuine Results](#)

[Read On Website](#)